Nai Dunia (Indore), 04th July 2022, Page - 03

इलेक्ट्रिक वाहनों की गुणवत्ता बेहतर करने पर होगा काम

गजेंद्र विश्वकर्मा • इंदौर

- आइआइटी इंदौर और जापान के विशेषज्ञ मिलकर करेंगे शोध
- संस्थान के डा. शैबल मुखर्जी को जापान की फैलोशिप के लिए चुना गया

देश के उच्च तकनीकी संस्थान में शामिल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर का नाम इलेक्ट्रिक वाहनों की तकनीकी को बेहतर करने में भी जुड़ गया है। आइआइटी इंदौर द्वारा इस क्षेत्र में लगातार किए जा रहे काम को देखते हुए जापान सरकार ने आइआइटी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डा. शैबल मुखर्जी को जापान आमंत्रित किया है। डा. मुखर्जी को जापान सोसायटी फार द प्रमोशन आफ साइंस (जेएसपीएस) फैलोशिप के लिए चुना गया है। डा. मुखर्जी 31 मई को जापान पहुंच चुके हैं और दो महीने वहीं रुकेंगे। जापान के विशेषज्ञ और डा. मुखर्जी मिलकर इलेक्ट्रिक वाहनों की गुणवत्ता बेहतर करने के लिए काम करेंगे। इसमें वाहनों के कन्वर्टर और अन्य उपकरण शामिल हैं। इसके पहले आइआइटी इंदौर हाई इलेक्ट्रान मोबिलिटी ट्रांजिस्टर बना चुका है। इससे सिग्नल को कम समय में एक से दूसरी जगह भेजा जा सकता है। इसका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, स्पेस टेक्नोलाजी, सैटेलाइट, सुपर कंप्यूटर, कार्डलैस फोन, वायरलेस सेट और कई उपकरणों में किया जा सकेगा।

डा. शैबल मुखर्जी

ट्रांजिस्टर का उत्पादन शुरू हो जाने से इलेक्ट्रिक वाहनों में लगने वाले कंवर्टर बाहर से नहीं मंगाने पड़ेंगे। भारत में यह बनाए जाएंगे, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत भी कम हो सकेगी। इस शोध को सफल बनाने में डा. मुखर्जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनका कहना है कि आइआइटी इंदौर और जापान के विशेषज्ञों के सहयोग से अगले वर्षों में इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर कई तरह के शोध के रास्ते भी खुल जाएंगे।